

पृ०



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शक्रवार, 1 अगस्त, 2003/10 श्रावण, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत), शिमला, जिला शिमला (हि० प्र०)

कार्यालय आदेश

शिमला, 27 जून, 2003

संख्या पी० सी० एच० एस० एम० एल० (उप-नि०) 2001-2-148-51.—यह कि जिला शिमला के विकास खण्ड मशोबरा की ग्राम पंचायत पुजारली ब्योलिया के सदस्य ग्राम पंचायत पुजारली ब्योलिया वार्ड नं० 6 सरघीण जो सामान्य निर्वाचन 2000 में निर्वाचित घोषित हुए थे ने अपने पद से घरेलू परिस्थितियों के कारण त्याग-पत्र दे दिया है। जिसे खण्ड विकास अधिकारी मशोबरा के माध्यम से इस कार्यालय को भेजा गया है। खण्ड विकास अधिकारी मशोबरा ने इस त्याग-पत्र को स्वीकृत करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, सत्य पाल, जिला पंचायत अधिकारी, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 130 (1) तथा पंचायती राज (सामान्य) नियम 135 के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त पदाधिकारी के त्याग-पत्र को स्वीकृत करता हूँ।

सत्य पाल,  
जिला पंचायत अधिकारी,  
शिमला, जिला शिमला।

## कार्यालय उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

शिमला-1, 14 जुलाई, 2003

संख्या पी० सी० एच०-एस० एम० एल० (दो बच्चे)/2002-177-83.—एतद्द्वारा श्रीमती कमला देवी, सदस्य ग्राम पंचायत काशापाट, वार्ड नं० 5, विकास खण्ड रामपुर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश का ध्यान हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है :—

“(ण) यदि उसके दो से अधिक जीवित संतान हैं, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और संतान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000, जो कि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक संतान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त संतान/संतान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, रामपुर ने अपने पत्र संख्या 5009, दिनांक 29-11-02 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 9-11-2001 को नीमरी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक 30, दिनांक 22-11-2001 में दर्ज है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस० के० बी० एम० नेगी, उपायुक्त शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्रीमती कमला देवी, सदस्य वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत काशापाट को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बनाओ नोटिस को प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपने पक्ष पस्तुन करें कि क्यों न उन्हें हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत काशापाट के वार्ड नं० 5 से सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाए। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तफा कार्यवाही अदालत में लाई जायेगी।

शिमला-1, 14 जुलाई, 2003

संख्या पी० सी० एच०-एस० एम० एल० (दो बच्चे)/2002-184-90.—एतद्द्वारा श्री पवन कुमार सदस्य, ग्राम पंचायत लवाना सदाना, वार्ड नं० 3 विकास खण्ड, रामपुर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है ;

“(ण) यदि उसके दो से अधिक जीवित संतान हैं, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और संतान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 जो कि 8 जून 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 112 के खण्ड (ण) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान हैं तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तानें/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, रामपुर ने अपने पत्र संख्या 2725, दिनांक 28-8-2002 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 23-8-2001 को चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है, जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के पृष्ठ 1, दिनांक 7-9-2001 में दर्ज है, जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122(2) तथा 131(2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री पवन कुमार सदस्य वार्ड नं0 3 ग्राम पंचायत लवाना सदाना को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत लवाना सदाना के वार्ड नं0 3 से सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाए। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

शिमला, 14 जुलाई, 2003

संख्या : पी0सी0एच0-एस0एम0एल0 (दो बच्चे)/2002-191-97.—एनद्द्वारा श्री परमानन्द उप-प्रधान, ग्राम पंचायत, कण्डा बनाह विकास खण्ड चौपाल, जिला शिमला (हि0प्र0) का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है—

“(ण) यदि उसके दो से अधिक जीवन संतान हैं, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और संतान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 जो कि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) के प्रावधान अनुसार 8 जून, 2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत अधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान हैं तथा उक्त प्रावधान के लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त संतानें/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि श्री रण सिंह, निवासी ग्राम किमाली, डा0 कण्डा बनाह की लिखित शिकायत प्राप्त होने पर खण्ड विकास अधिकारी चौपाल से पंचायत निरीक्षक के माध्यम से करवाई गई जांच रिपोर्ट से यह पाया गया कि उक्त श्री परमानन्द उप-प्रधान, ग्राम कण्डा बनाह की दो जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 8-1-2002 को तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के पृष्ठ 121 दिनांक 30-1-2002 में दर्ज है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, की धारा-122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री परमानन्द, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत कण्डा बनाह को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत कण्डा बनाह के उप-प्रधान पद को रिक्त घोषित कर दिया जाए। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त

न होने की दशा में यह समझा जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहता है तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक-तरफा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एस0 के0 बी0 एस0 नेगी,  
उपायुक्त,  
शिमला, जिला शिमला. (हि0 प्र0)।

OFFICE OF THE DISTRICT MAGISTRATE, DISTRICT SHIMLA, HIMACHAL PRADESH

NOTIFICATION

*Shimla-1, the 18 th July, 2003*

No. SML-Reader/ADM (716)/2003.—In exercise of the powers vested in me under section 115 of the Motor Vehicles Act, 1988, I, S. K. B. S. Negi, District Magistrate, Shimla hereby order that no heavy vehicles will ply anti-clockwise on the circular road in Shimla Town.

These orders shall come into force with immediate effect.

Sd/-  
District Magistrate, Shimla.